

Court No. - 48

Case :- WRIT - B No. - 15823 of 1986

Petitioner :- Baij Nath

Respondent :- D.D.C. And Others

Counsel for Petitioner :- R.P. Shasthi,A.R. Dubey,Babu Lal Ram,Kamlesh Kumar Singh,Pramod Kumar

Counsel for Respondent :- S.C.,B.D.Mishra,Dr. Vinod Kumar Rai,M.M. Sahay

Hon'ble Saurabh Shyam Shamsbery,J.

In Ref :- Civil Misc. Substitution Application No.22 of 2019

1. Heard.
2. Substitution application is allowed, subject to cost of Rs.20,000/- to be deposited in the office of Allahabad High Court Bar Association, Allahabad and receipt thereof shall be placed on record.
3. Learned counsel for petitioner is directed to carry out necessary changes in cause title within a week.

(Order on Memo of Petition)

1. This matter is taken up on mentioning in presence of counsel of both parties.
2. Learned counsel for respondents submits that interim order passed by this Court has been violated, however, learned counsel for petitioners has denied.
3. This writ petition is pending since 1986 and arisen from proceedings of chak allotment during consolidation. The revision filed by the contesting respondent No.2 was allowed mainly on ground that they were entitled for allotment of chak at their largest holding bearing Gata No.1/2/3 and, therefore, the chakdar no.109 i.e. the petitioner who was allotted a chak on said holding was disturbed.
4. Learned counsel for petitioner has not able to refute argument on basis of order passed by the revisional authority that Gata No.1/2/3 was the largest holding of respondent No.2 and it is well settled that in the consolidation proceedings as far as possible a original gata be allotted to the concerned chak holder and same was done by the revisional authority. The impugned order is reproduced hereinafter :-

'प्रस्तुत निगरानी, निगरानीकर्ता ने, सहायक बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी वाराणसी द्वारा अपील सं० 298/211 आदि में पारित आदेश दिनांक 14.03.85 के विरुद्ध दायर किया है।

निगरानीकर्ता ने अपनी निगरानी में यह कहा है कि उसके बड़े मूल नम्बर 1/2/3 पर चक दिया जाय। इस गाटे पर विपक्षी को बिना मांग व औचित्य के चक दे दिया गया है।

मैंने इस मामले में दोनों पक्षों के विद्वान अधिवक्ता की बहस सुनी और चक नक्शे तथा ग्राम अभिलेखों आदि को भी देखा।

ग्राम अभिलेखों आदि के देखने से स्पष्ट है कि गाटा सं० 1/2/3 निगरानीकर्ता के मूल जोत का बड़ा गाटा है अतः उसे उसकी मांग के अनुसार चक दिया जाना उचित है। ऐसी स्थिति में चकदार 109 का गाटा सं० 1/7 आदि व 1/9 आदि क्रमशः मालियत 13.38 पै० व 5.65 पै० यानी 19.03 पै० का चक समाप्त कर उसे गाटा सं० 1/4/1 पर 19.03 पै० का चक प्रदिष्ट किया जाता है तथा चकदार 116 का गाटा सं० 1/9, 1/2/3 आदि से 8.05 पै० मालियत का चक समाप्त कर उसे गाटा सं० 1/9 आदि पर 8.05 पै० का चक प्रदिष्ट किया जाता है। चकदार 148 राम नरायन का गाटा सं० 1/5/1, 1/10/2 आदि मालियत 19.03 पै० का चक समाप्त कर उसे गाटा सं० 1/7, 1/9, 1/2/3 आदि पर 13.38 पै० व 5.65 पै० यानी 19.03 पै० का चक प्रदिष्ट किया जाता है तथा बचत गाटा सं० 1/4/1 मालियत 19.03 पै० प्रदिष्ट की जाती है। संशोधन तालिका तदनुसार तैयार कराया गया है। निगरानी संलग्न संशोधन तालिका के अनुसार स्वीकार की जाती है। संलग्न संशोधन तालिका जिस पर मेरा भी हस्ताक्षर है, इस आदेश का अंग रहेगी। ग्राम अभिलेखों में तदनुसार अमलदरामद कर लिया जावे।”

(emphasis supplied)

5. In view of the above discussion, I do not find any illegality or irregularity in the impugned order, accordingly, this writ has no force and it is accordingly, **dismissed**. Interim order, if any is accordingly, vacated.

Order Date :- 7.11.2023

Md Faisal